नोह और महान बाढ़

बाइबल, भगवान का वचन की एक कहानी

में पायी गयी

उत्पत्ति 6-10

"तारा शब्द को प्रवेश प्रकाश करे"
भजन 119:130

19

20

21

22

23

का द्वारा रचति: Edward Hughes
का द्वारा नरि्देशति: Byron Unger; Lazarus
Alastair Paterson

का द्वारा अनुवाद: www.christian-translation.com
का द्वारा अपनाई: M. Maillot; Tammy S.

3 से 60 तक की कहानी

M1914.org

Bible for Children, PO Box 3, Winnipeg MB R3C 2G1 Canada

अनुज्ञापत्र: जब तक तू इनी बेचो, तारे इस कहानी के कॉपी या प्रटिकरने को अधकिार है।

भगवान जाने से कि हमने बुरे काम करि है,
जिने व पाप बोले। पाप का सजा मौत स।

भगवान हमार से बहुत प्यार करे उन्न अपना बेटा, यीशु के एक क्रोस प मरने और हमारे दंड का भुगतान करने क लिए भेजओ। यीशु जीवित आयोऔर स्वर्ग वापस चल गयो अब भगवान हमारा पाप को माफ कर सकता है।

अगर तुम तारा पापा न कम करनो चाहो हो , तो भगवान से य बोलो: प्रिय भगवान, म्हारो मान्नओ कि यीशु मार लिये मरा है और अब वि फिर से जिंदा स। कृपया मारा जिवन मे आओ और मारा पाप की क्षमा करो, जिससे मैं अब नयो जीवन जी सकूं, और फिर हमेशा का लिए तार साथ रु। अपना बच्चा का रुप मे तार लिये जिने मे मारी मदद करो। तथास्तु। जॉन 3:16

बाइबल पढो और हर दिन भगवान सू बात करो!

Gujri

भगवान ने नोह के चेतावनी दी कि एक महान बाढ़ आएगी और पृथ्वी को नाश कर देगी। लकडी को एक सन्दूक, एक अच्छी खासि नाव तरा परिवार और कई जानवर का लिए बनाओ' नोह के आदेश दिओ गयो। भगवान ने नोह के सटीक निर्देश दिया। नोह व्यस्त हो गयो
3
लोग न ने शायद मजाक उडायो जब नोह ने बतायो कि वो एक सन्दूक क्यों बन रो है।
नोह ने इमारत बनइ रखी थी। उ लोग ओन के भगवान का बारा मे भी बताइ रिओ सो। किसी ने नी सुनी।
4
नोह न बहुत भरोसो सो। उको मान्नो सो कि भगवान ने पेला ऐसी बारिश कभी नहीं करी । जल्दी सन्दूक अपुर्ती का साथ लाद्रे का लिए तैयार सो।
5
फिर जानवर आया। भगवान कुछ प्रजाति में से सात को लाया, दो दुसरी। महान और छोटा पक्षी छोटा और लंबा जानवर ने सन्दूक तक जाने को लिये अपनो रास्तो बनइ लियो।
6
शायद लोग ने शोर मचइ के नोह के जलिल करिओ क्योंकि उन्ने जानवर के लाद दिओ सो। उन्ने परमेश्वर का खिलाफ पाप करनो नि छोडियो। उन्ने सन्दूक में प्रवेश करबा लिए न बोलिओ।
7
आखिरि मे सभी जानवर और पक्षी सवार सा। सन्दूक में आया जाओ' भगवान ने नोह के बुलायो। तू ओर तमारो परिवार।" नोह उकी पत्नी, उका तीन बेटा और उनकी पत्नि सन्दूक में चली गया। तब भगवान ने दरवाजो बंद कर दियो
8
फिर बारिश अइ। एक महान मंदी ने पृथ्वी के चालीस दिन और रात का तक भिगो दियो।
9
बाढ़ को पानी कस्बा और गांव पे ड़ाली। जब बारिश बंद हुई, तब भी पहाड़ पानी का नीचे सा। सांस लेने वाली हर चीज मर गई।
10
जैसे जैसे पानी बढ़तो गयो, वैसे वैसे सन्दूक ऊपर की ओर तैरने लगई। हइ सके कि अंदर अंधेरो हो, शायद ऊबड़खाबड़, और शायद डरावनो भी। लेकिन सन्दूक ने बाढ से नोह न शरण दी।
11
बाढ़ का पाँच महीना पाछे, भगवान ने एक शुष्क हवा भेजी। धीर धीर अरारत का पहाड़ में संदुक आराम करने लगि। पानी कम होने का कारण नोह ओर चालीस दिन का ओर अंदर रुकेगो।
12
नोह ने एक कालो कोआ और एक कबूतर के सन्दूक की एक खुली खिड़की से बाहर भेजा। आराम करने का लिए एक सूखी साफ जगह नी मिल री है, कबूतर नोह का पास वापस आ गयो।
13
एक हफ्ता बाद, नोह ने फिर से कोशिश की । कबूतर उकि चोंच में एक नयो जैतून को पत्तो लॉक के वापस आयो। अगले हफ्ता नोह के पता सो कि धरती सूखी स क्योंकि कबूतर वापस न आयो।
14
भगवान ने नोह से बोलियो कि यो सन्दूक छोड़ने को समय सो। साथ में, नोह और उका परिवार ने जानवर के उतार दिया।
15
नोह के कितनो एहसानमंद महसूस हुओ होगो। उन्ने एक वेदी बनई और परमेश्वर की पूजा की जिन्ने उक और उका परिवार के भयानक बाढ से बचायो सो।
16
भगवान ने नोह के एक अद्भुत वचन दियो। फिर कभी वि मानव पाप को न्याय करने क लिए बाढ़ नी भेजेगा। परमेश्वर ने उनका वादा का लिये एक शानदार याद दिलायो। इंद्रधनुष ईश्वर की प्रतिज्ञा क संकेत सो।
17
नोह और उक परिवार के बाढ़ का बाद नई शुरुआत की । समय का साथ उका वंशज ने पूरी पृथ्वी के फिर से खडो कर दि। दुनिया का सभी राष्ट्र नोह और उका बच्चा से आया ।
18